MAHD - 06

December - Examination 2015

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD - 06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड अ अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड ब लघुत्तरात्मक एवं खण्ड स में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) 8 x 2 = 16

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) प्रेमचंद का गोदान भारत के किस जीवन का महाकाव्य है?

(ii) रेणु का ''मैला आँचल'' किस कोटि का उपन्यास है?

(iii) ''शेखर : एक जीवन'' कितने खण्डों में लिखा गया है?

(iv) ''समय सरगम'' उपन्यास में किस वर्ग के पात्रों का चित्रण है?

(v) ''मधुआ'' कहानी का प्रतिपाद्य क्या है?

(vi) ''सिक्का बदल गया'' कहानी के कथानक का आधार क्या है?

(vii) जैनेन्द्र की ''पत्नी'' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(viii) अमरकान्त की ''जिन्दगी और जौंक'' कहानी का मुख्य पात्र कौन है?

(खण्ड – ब) 4 x 8 = 32

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) सिद्ध कीजिए कि, ''गोदान'' उपन्यास में भारतीय कृषक जीवन की गाथा है।

3) उपन्यास की परिभाषा देते हुए इस विधा का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

4) ''समय सरगम'' उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

5) ''शेखर: एक जीवनी उपन्यास'' के शिल्प पर निबंध लिखिए।

6) ''जिन्दगी और गुलाब के फूल'' कहानी में पारिवारिक सम्बंधों के बिखराव को किस प्रकार उकेरा गया है?

7) प्रेमचंद की ''शतरंज के खिलाड़ी'' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

8) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

तकरार बढ़ने लगी। दोनों अपनी–अपनी टेक पर अड़े थे। न वह दबता था न वह। अप्रासंगिक बातें होने लगीं। मिरजा बोले – किसी ने खानदान में शतरंज खेली होती, तब तो इसके कायदे जानते। वे हमेशा घास छीला करते, आप शतरंज क्या खेलिएगा? रियासत और ही चीज है। जागीर मिल जाने ने कोई रईस नहीं हो जाता।

9) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

पोस्टकार्ड लौटाते समय मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा। उसके मुख पर मौत की भीषण छाया नाच रही थी और वह जिन्दगी से जोंक की तरह चिपटा था – लेकिन जोंक वह था या जिन्दगी? वह जिन्दगी का खून चूस रहा था या जिन्दगी उसका? – मैं तय न कर पाया।

(खण्ड – स) 2 x 16 = 32

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) कहानी के तत्वों के आधार पर ''टूटना'' कहानी समीक्षा कीजिए।

11) कहानी के रचना–विधान पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

12) ''समय सरगम'' उपन्यास की रचना विधान की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

13) हिन्दी उपन्यास के विकास में अज्ञेय के योगदान पर निबंध लिखिए।